भाकृअनूप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

कोई भी कृषि कार्य करने से पहले स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करें

अप्रैल 2021 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियाँ

- *रोपाई किए गए चावल में बाली निकलने की चरण में 35 किलोग्राम यूरिया के साथ म्यूरेट ऑफ पोटाश 11 किलोग्राम / एकड़ दर के साथ प्रयोग करें।*
- *खेत में पीला तना छेदक या पत्ता मोड़क की निगरानी के लिए 3 फीरोमोन जाल प्रति एकड़ बिठाएं। जब पीला तना छेदक के नर कीट 4 या 5 प्रति जाल हो जाएं, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या छिटकावा पद्धति से दानेदार कीटनाशक क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।*
- *खेत में भूरा धब्बा संक्रमण के मामले में, नियंत्रण हेतु मांकोजेब 500 ग्राम प्रति हैक्टर या प्रोपकोनाजोल 200 मिलीलीटर प्रति एकड़ दर से 200लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें तथा अतिरिक्त पोटेशियम उर्वरक साथ (म्यूरेट ऑफ पोटाश 10 किलोग्राम / एकड़) प्रयोग करें।*
- *ओडिशा में अप्रैल के पहले पखवाड़े में तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा और धीरे-धीरे बढ़ेगा। उच्च तापमान एवं रुक-रुक कर गरज के साथ बौछार के बाद भूरा पौध माहू के संक्रमण के लिए अनुकूल है। यदि भूरा पौध माहू कीटों की आर्थिक सीमा अर्थात 5-10 कीटें/पूंजा से अधिक है तो खेत को बारी-बारे से गीला करने एवं सुखाते हुए पौधे की सूक्ष्म परिवेश को बदलने की सलाह दी जाती है और लंबे समय तक खड़े पानी नहीं होना चाहिए। यदि समस्या बनी रहती है तो तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या ट्रायफ्लूमेजोपायरिम 10% एससी95 ग्राम/एकड़ या पायमेट्रोजाइन 50% डब्ल्यूजी ग्राम/एकड़ दर से या डीनोटेफ्यूरान 20% एसजी ग्राम/एकड़ इमिडाक्प्रिड 17.8% एसएल 50 मिलीलीटर/एकड़ या एसीफेट 75% एसपी 400 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें। भूरा पौध माहू के लिए केवल अनुशंसित कीटनाशकों का उचित मात्रा पर उपयोग करें।*
- *यदि गंधी बग की कीटें 2 कीटें/पूंजा से अधिक है तो इथोफेनोप्रॉक्स 10ईसी 200 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर घोल का छिड़काव करें या मालाथियन 5डी 10 किग्रा/एकड़ दर से सुबह के समय जब हवा बिल्कुल न हो या कम हवा हो, पूरे खेत में एकसमान झाड़ दें।*
- *इल्ली संक्रमण दिखाई देने पर, क्वीनालफास 25ईसी 400 मिली/एकड़ दर से या क्लोरपायरीफास 20ईसी 500 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर घोल का छिड़काव करें। इसे सुबह के समय फसल के मूल में प्रयोग किया जाना चाहिए।*
- *धान के खेतों में मिट्टी में उपलब्ध नमी के साथ ग्रीष्मकालीन जुताई करें।*